भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3469
17 दिसंबर, 2024 को उत्तर के लिए

लुप्तप्राय मछली प्रजातियों का संरक्षण

3469. श्री बसवराज बोम्मई:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने कर्नाटक में विशेष रूप से कावेरी नदी में सर्वाधिक लुप्तप्राय मत्स्य प्रजातियों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कोई संरक्षण और आजीविका विकास कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) और अन्य योजनाओं के अंतर्गत कर्नाटक में लाभार्थियों की संख्या सहित मछुआरों को प्रदान की गई सहायता और आदानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने कर्नाटक में जैव-विविधता संरक्षण और मछुआरों की आजीविका पर इन पहलों के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो इसके निष्कर्ष क्या हैं;

(घ) क्या आईसीएआर-एनबीएफजीआर कर्नाटक में अन्य नदियों और क्षेत्रों में ऐसे संरक्षण और आजीविका कार्यक्रमों का विस्तार करने की योजना बना रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) : कर्नाटक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधीन मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थानों ने कावेरी नदी के *हाइपसेलोबार्बसपुलचेलस, हाइपसेलोबार्बसकोलस, बारबोडेसकार्नाटिकस, लेबेकोन्टियस और हेमिबाग्रस पंक्टेटस* जैसी लुप्तप्राय/संकटग्रस्त मत्स्य प्रजातियों के लिए ब्रीडिंग तकनीक विकसित की है और कावेरी नदी के आवास (हैबिटैट) विशेषताओं, मत्स्य विविधता और अन्य जैविक समुदायों का आकलन किया है।

(ख) : मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थानों ने एससीएसपी/टीएसपी कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान वर्ष के दौरान कर्नाटक में 1300 से अधिक हितधारकों के लिए मात्स्यिकी और जलकृषि के विभिन्न पहलुओं पर कई प्रशिक्षण आयोजित किए हैं और एससीएसपी/टीएसपी कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों/मछुआरों को एफआरपी कोरेकल्स, फिशिंग नेट्स, फिश केज, फिश फीड, फिश सीड, एफआरपी बोट और ओबीएम इंजन के साथ अन्य सहायक उपकरण प्रदान करके सहायता प्रदान की है।

(ग) : भारत सरकार ने कर्नाटक में आईसीएआर द्वारा शुरू किए गए जैव विविधता संरक्षण कार्यक्रम पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन नहीं किया है।

(घ) और (ङ) : यह रिपोर्ट किया गया है कि आईसीएआर-एनबीएफजीआर द्वारा कर्नाटक में अन्य नदियों और क्षेत्रों में जैव विविधता संरक्षण आजीविका कार्यक्रम का विस्तार करने की कोई योजना नहीं है।

*****